दैनिक प्रातः कालीन हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

वर्ष :- 02 अंक :- 340 मुरादाबाद, 11 April 2023 (Tuesday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मुख्यमंत्री योगी का एलान, यूपी में जुलाई में 35 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिवसीय नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव-2023 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने जुलाई में प्रदेश में 35 करोड़ पौधरोपण का एलान किया।एक तरफ विकास आज की आवश्यक्ता है, तो पर्यावरण और प्रकृति के प्रति दायित्वों से भी हम मुक्त नहीं हो सकते। मनुष्य ने अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति का अतिदोहन करके जिन दुष्परिणामों को आमंत्रित किया है, आज हम सब उसके भुक्तभोगी बन रहे हैं। क्लाइमेट चेंज आज दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती है। विगत वर्षों में असमय अतिवृष्टि के रूप में हमने इसके दुष्परिणामों को देखा है। भारत की परंपरा सदैव से पर्यावरण हितैषी रही है। ये धरती हमारी माता है और हम सब इसके पुत्र हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया को पर्यावरण संरक्षण की नई राह दिखाने का कार्य कर रहा है। उत्तर प्रदेश में लगातार इस दिशा में कार्य हो रहे हैं। उन्होंने एलान किया कि आगामी जुलाई माह में प्रदेशभर में 35 करोड़ पौधरोपण किया जाएगा। 2017 के बाद से अब तक यूपी में 133 करोड़ पौधरोपण का कार्य हुआ है। यही कारण है कि आज प्रदेश की जनता में भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर सकारात्मक भाव पैदा हुआ है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव-2023 का उद्घाटन करते हुए कही।प्रकृति के अतिदोहन से सामने आ रहे दुष्परिणाम- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिवसीय नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव में देशभर से आए प्रतिनिधगणों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे प्राचीन ग्रंथ में वेदों में अथर्ववेद का एक सूक्त हमें धरती के प्रति अगाध निष्ठा के साथ जोड़ने का प्रयास करता है। इसके अनुसार धरती हमारी माता हैं और हम सब इसके पुत्र हैं। संपूर्ण जीव सृष्टि में प्रकृति प्रदत्त मां के प्रति दायित्व का दर्शन होता है। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज आज एक बड़ी चुनौती है। विगत साल हमने असमय अतिवृष्टि को देखा है। बीते 25 साल के सार्वजनिक जीवन में मैंने कभी नहीं देखा कि अक्टूबर में बाढ़ आई हो। किसान को जब पानी की जरूरत है तो बारिश नहीं होती और फसल काटते वक्त असमय बरसात पूरी मेहनत पर पानी फेर देती है।

100 साल से पुराने वृक्षों को विरासत वृक्ष के रूप में किया जा संरक्षित

सीएम ने कहा कि 2017 में जब हमें सरकार बनाने का अवसर प्राप्त हुआ तब पहले वर्ष हमने 5 करोड़, फिर 10 करोड़ पौधरोपण किया। विगत 6 साल में यूपी में 133 करोड़ पौधरोपण का कार्य किया गया है। आज यूपी में आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण का भाव पैदा हुआ है। आज हम 100 साल से पुराने वृक्षों को विरासत वृक्ष के रूप में मान्यता देकर उनका संरक्षण कर रहे हैं। प्रदेश में ऐसे कई वृक्ष हैं, जिनके नीचे बैठकर क्रांतिकारियों ने देश की आजादी की रणनीति तय की। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में मौजूद आम के पुराने वृक्ष से संबंधित स्मृतियों का वर्णन करते हुए बताया कि बद्रीनाथ धाम के सिद्ध योगी सुंदरनाथ 1907 में गोरखनाथ मंदिर आए और वहां मौजूद आम के वृक्ष के नीचे तत्कालीन महंत बाबा गंभीरनाथ के साथ संवाद किया। वो वृक्ष आज भी वहां मौजूद है और फल देता है। इसके अलावा 1912 में भारत सेवा श्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद ने भी उसी वृक्ष के नीचे बाबा गंभीरनाथ से दीक्षा ली थी।

जमशेदपुर में धार्मिक झंडे के अपमान को लेकर फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने कई दुकानों को फूंका

भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े थे। स्थिति अब नियंत्रण में है। जो लोग जमा हुए थे उन्हें घर भेज दिया है। तनाव को देखते हुए आंशिक रूप से मोबाइल इंटरनेट बंद कर दिया गया है। झारखंड के जमशेदपुर में माहौल शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। बताया जा रहा है कि एक धार्मिक झंडे के कथित अपमान के बाद दो गुटों के बीच शास्त्रीनगर में हिंसक झड़क हो गई। उपद्रवियों ने जमकर पथराव किया साथ ही कई दुकानों और एक ऑटो-रिक्शा में आग लगा दी। बाद में स्थिती संभालने के लिए पुलिस ने रविवार शाम को क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की। जमशेदपुर एसपी के. विजय शंकर ने बताया कि इस मामले में दोनों समुदायों के कुल 55 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अभय सिंह के एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। इसके समर्थकों ने थाने में आकर अभद्रता की है। इन सब पर भी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, दो समुदायों के बीच हिंसा भड़कने के बाद जमशेदपुर प्रशासन ड्रोन से निगरानी कर रहा है।

आंसू गैस के गोले दागे

पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के अनुसार, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े थे। उन्होंने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है। जो लोग जमा हुए थे उन्हें घर भेज दिया है। साथ ही पूरे इलाके में जवानों को तैनात कर दिया गया है। वहीं अर्धसैनिक बलों ने आज सुबह इलाके में फ्लैग मार्च किया। तनाव को देखते हुए आंशिक रूप से मोबाइल इंटरनेट बंद कर दिया गया है।

शांति भंग करने की कोशिश

पूर्वी सिंहभूम जिले की उपायुक्त विजया जाधव ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी साजिश को विफल करने के लिए आम नागरिकों से सहयोग का अनुरोध किया। पुलिस ने बताया कि इलाके में शनिवार रात तब से ही तनाव व्याप्त है जब एक स्थानीय संगठन के सदस्यों ने रामनवमी के झंडे को अपवित्र पाया।

31 मार्च को भी हुई थी हिंसा

इससे पहले 31 मार्च की रात को भी रामनवमी पर जमकर हिंसा हुई थी। जमशेदपुर के हल्दीपोखर में रामनवमी पर जमकर पथराव हुआ था। लोग रामनवमी का जुलूस निकाल रहे थे। जब जुलूस जुगसलाई पहुंचा तो कुछ लोगों ने विरोध करते हुए जुलूस पर पथराव शुरू कर दिया था। इस घटना से गुस्साए लोगों ने बाटा चौक में हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया था।

अखिलेश यादव का यह दांव और बाबा साहब का गांव, यूं ही नहीं जागा है सपा अध्यक्ष का दलित प्रेम

राजनीतिक विश्लेषक उमर हसन का कहना है कि बीते कुछ समय में बहुजन समाज पार्टी की रणनीति उस तरह प्रभावी नहीं रही है जैसे कि बीते समय में दिखा करती थी। इसका असर यह हुआ कि बसपा के वोट बैंक में भारतीय जनता पार्टी ने जमकर सेंधमारी की..बसपा की कमजोर रणनीति और मायावती की पार्टी से खिसकते दलित वोट बैंक को समाजवादी पार्टी अब %खुला मैदान% मान रही है। यही वजह है कि अखिलेश यादव ने भी मायावती के खिसकते जनाधार को समेटने के लिए दलित राजनीति और इस समुदाय से जुड़े लोगों को अपनी और जोड़ने की जुगत लगानी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश में कांशीराम की प्रतिमा के अनावरण के बाद एक बार फिर से अखिलेश यादव ने दलित दांव चलते हुए बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के गांव का रुख किया है। सियासी जानकारों का मानना है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अपने सियासी दांवपेच में इस बार दलितों को सबसे आगे रखकर अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। उसी क्रम में 14 अप्रैल को अखिलेश यादव भीमराव डॉक्टर आंबेडकर के मध्यप्रदेश स्थित महू गांव पहुंच रहे हैं। दरअसल बसपा की कमजोर रणनीति का फायदा उठाते हुए भाजपा ने मायावती की पार्टी में जमकर सेंधमारी की है।

दलित राजनीति की राह पर चली सपा

जैसे-जैसे लोकसभा के चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, वैसे वैसे सियासी पार्टियां जातिगत समीकरणों के गुणा गणित से सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने का रास्ता अख्तियार कर रहीं हैं। बीते कुछ दिनों में समाजवादी पार्टी ने जिस तरह से दलित राजनीति की दिशा में अपनी पार्टी को आगे बढ़ाया है, वह उत्तर प्रदेश की सियासत में बहुत कुछ कह रहा है। कांशीराम की प्रतिमा लगाने के बाद अब चर्चा अखिलेश यादव की बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के गांव

जाने की हो रही है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि दरअसल अखिलेश यादव अब एमवाई फैक्टर के साथ-साथ दलित फैक्टर को भी अपने संग जोड़कर सियासत की एक नई परिभाषा गढ़ रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक उमर हसन का कहना है कि बीते कुछ समय में बहुजन समाज पार्टी की रणनीति उस तरह प्रभावी नहीं रही है जैसे कि बीते समय में दिखा करती थी। इसका असर यह हुआ कि बसपा के वोट बैंक में भारतीय जनता पार्टी ने जमकर सेंधमारी की। हसन कहते हैं समाजवादी पार्टी के नेताओं को यह लगा कि जब दलित वोट बैंक में भारतीय जनता पार्टी सेंधमारी कर सकती है, तो समाजवादी पार्टी उसमें पीछे क्यों रहे। यही वजह रही कि समाजवादी पार्टी ने अपनी रणनीति में बदलाव करने शुरू कर दिए। राजनीतिक जानकार जीडी शुक्ला का कहना है कि किसी भी सियासी दल की कमजोर रणनीति का फायदा दूसरा राजनीतिक दल उठाता है। कांग्रेस की कमजोर नीतियों का फायदा समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने उठाया। बहुजन समाज पार्टी की कमजोर नीतियों का फायदा भारतीय जनता पार्टी ने दलित वोट बैंक को अपने पाले में जोड़ने के तौर पर उठाया। मायावती ने भी बहुत हद तक समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी करने की कोशिश की। अब जब बीते कुछ चुनावों के परिणामों के आधार पर आंकलन किया जा रहा है, तो उसमें बसपा के खिसकते हुए वोट बैंक नजर आ रहे हैं। जीडी शुक्ला कहते हैं कि भाजपा ने बिल्कुल ऐसा ही किया है। अब समाजवादी पार्टी ने भी उसी तर्ज पर दलितों को अपने साथ जोड़ने की न सिर्फ तैयारी की है, बल्कि बसपा के वोट बैंक में सेंधमारी करने के लिए बड़ी रणनीति भी अख्तियार कर ली है।

14 अप्रैल को महू जाएंगे अखिलेश

समाजवादी पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अखिलेश यादव अपने सहयोगी राजनीतिक दलों के साथ 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती पर मध्यप्रदेश के महू पहुंचेंगे। समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के गांव पहुंचने को लेकर सियासी गलियारों में तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। माना यही जा रहा है कि अखिलेश यादव ने अपनी 卐एमवाई卐 रणनीति को एक कदम आगे बढ़ाते हुए एमवाई 卐डी卐 के आधार पर बढ़ा रहे हैं। समाजवादी पार्टी से जुड़े एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि उनकी पार्टी तो पहले से ही बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के विचारों को आगे रखकर ही राजनीति करती आई है। पार्टी के एक नेता का कहना है कि समाजवादी पार्टी ने बाबा साहेब वाहिनी का भी गठन कर उसे प्रमुख फ्रंट भी बनाया है। इसलिए यह कहा जा रहा है कि समाजवादी पार्टी मौका देखकर दलितों की ओर बढ़ रही है, पूरी तरह से गलत है। सियासी विश्लेषकों का कहना है कि समाजवादी पार्टी ने मुस्लिम और यादवों के गठजोड़ के अलावा बीते कुछ समय में अलग तरह से जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश शुरू कर दी है। मुस्लिम-यादव के साथ-साथ समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में पिछड़ों को भी जोड़ने के लिए एक अभियान चलाया। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि हालांकि पिछड़ों को जोड़ने का अभियान जिस तरह चलाया गया, वह न सिर्फ विवादित हुआ बल्कि पार्टी के अंदर ही एक असहज स्थिति पैदा होने लगी।

यह पिछड़ों को जोड़ने का अभियान पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी करके शुरू किया था। बाद में जब पार्टी के ही नेताओं ने इसका विरोध करना शुरू किया, तो रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी करने वाले नेता स्वामी प्रसाद मौर्य तो नहीं चुप हुए, लेकिन पार्टी के कुछ अन्य नेताओं की ओर से उठने वाले सुर जरूर ठंडे पड़ गए। हालांकि पार्टी ने उसके बाद से दलितों को अपने पाले में करने के लिए कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण किया और अब समाजवादी पार्टी के मुख्य मध्यप्रदेश के महू जा रहे हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

संपादकीय Editorial

Familyism of BJP too

Addressing the partymen on the birthday of BJP, Prime Minister Modi once again raised the issue of 'dynasty' or 'familyism'. In view of that, political attacks were also made on Congress and many opposition parties. It was a coincidence that Anil Antony, son of senior Congress leader AK Antony, was given BJP membership at the party headquarters on the same day. Another Congress face joined BJP.

Anil is a Sanatan Christian and the population of Christians in Kerala is around 20 per cent.

AK Antony has been the Chief Minister of Kerala and Union Minister. Although Hindus constitute about 55 per cent of the population, the Hinduists of Kerala have not yet become BJP or Sanghi, so the BJP's position in that state is negligible even today. It is possible that BJP may project Anil Antony as a 'Christian leader' and try to get the acceptance of that community, but Anil is not a mass leader. His political career is also beginning.

His electoral test as a 'Christian leader' is yet to be done. BJP's electoral math is also that some minority factions should also be associated with the party. Although the RSS has been active in Kerala for a long time, it has neither been able to connect the Hindus there at the level of soul nor create any divine attraction, spiritual beliefs towards Lord Shri Ram, Krishna and Mahadev etc. However, the Hindus of Kerala worship the avatar-gods of Lord Vishnu and Ganesha. Celebrate grand celebrations, but have been voting either for the Left Front or the Congress-led Front.

We will not be able to give a logical, spiritual or ideological answer to this. Prior to the 2004 elections, PC Thomas joined the BJP-NDA with a breakaway group from the Kerala Congress. He won the Lok Sabha elections by defeating candidates from the Left and Congress fronts, but his election was nullified by the Supreme Court in 2006 because he sought mandate on the basis of religion.

Some BJP MLAs have been elected in Kerala, but there is no such strong leader under whose leadership the general elections can be fought. However, the issue was of familism. Anil Antony is also the new face of this Jamaat, although father and son are in different political parties.

Prime Minister Modi or other senior BJP leaders have been calling their 'familyism' professional by giving different definitions of 'dynasticism' and 'familyism', but Vijayraje Scindia, Rajnath Singh, Kalyan Singh, Vedprakash Goyal, CPN Singh, Jitendra Prasad , Yashwant Sinha, Prem Kumar Dhumal, Amit Shah, Madanlal Khurana, Akhilesh Kumar Singh, Sahib Singh Verma etc.

is a long list of BJP and other leaders, whose sons and daughters are today famous BJP leaders-MPs-MLAs. If this is not nepotism, then what is? Of course, this is not the case with the Congress and the Gandhi family. These leaders do not have monopoly or supremacy, but the fact is that the children got the opportunity to set foot in politics only through the father.

If this familyism was not there, then like the common man, these faces would also have to suffer.

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Society: Women bear the brunt of nefarious intentions of fundamentalist and religious groups

Even in this modern era, some fundamentalist and religious groups are spreading the darkness of ignorance and superstition, as a result of which women have to suffer the most. Bangladesh is a shining example of this. Change comes in all religions, cultures and societies. Without change, religion, culture and society all become like closed reservoirs. Just like the water of the reservoir has to be kept open to save it from rotting, in the same way the old mindset also needs to be changed. In order to make thinking modern, it needs to be taken out of the small circle of thoughts and given an open sky. We have seen vast changes in all the societies of the earth. But this fact also cannot be denied that there are some people in all societies who are against change. The society which has less anti-change people, that society progresses faster. But the society in which there are more anti-change people, that society gets obstructed again and again while moving towards modernity. At one time, Christian priests in Europe used to hang people who questioned God. Today the same pastor is saving his existence by giving importance to humanity. Those priests do not have the same importance and supremacy now. At one time the practice of Sati existed in the Hindu society. In those days there was no justification for the wife to live after the death of her husband. But in the process of moving forward, the practice of sati in the Hindu society ended. The Muslim society was at one time leading in many respects. Few people would believe this today. But a time came when this society closed itself. The result of this is that today this society is very backward. If the wheel of progress is stopped, the loss to the society is no less than that to the individual. There is no doubt that our earth is marching towards modern civilization. But even today fundamentalists and some religious groups are spreading ignorance and darkness. The intention of these people and groups is to keep humans in the darkness of ignorance. They cannot tolerate even a little light. I had recently heard Mohan Bhagwat, Sarsanghchalak of Rashtriya Swayamsevak Sangh talking about Hindu-Muslim unity. He had said, 'Hindu-Muslim unity is being created because some people feel that Hindus and Muslims are different. Actually they are one. Their DNA is the same. They are all Indians. I wonder if organizations like Jamaat-e-Islami or Hefazat-e-Islam in Bangladesh can talk like this about Hindu-Muslim unity! Can they say that 'Bangladesh is a democratic country, where no Muslim will be dominated, no Hindu will be dominated. Those who target minority Hindus by calling them heretics are not real Muslims. Those who say that Hindus do not belong to this country are also not Muslims. These organizations in Bangladesh, of course, cannot do such a thing because they are not change-seekers. They want illiteracy, backwardness and fundamentalism to prevail in the society of Bangladesh. Not only is the majority of the population there religious, but the number of ultra-religious people there is also increasing very rapidly these days. The result of increasing religious fundamentalism in Bangladesh is that the minority population is a constant target. And not just the minority population, but all liberal minded people in Bangladesh are on target. Obviously, there is no hope of real change until the mindset of the majority fundamentalists changes. Secular or scientific conscious people are aspiring to end religious fundamentalism as well as to give their rights to women. This can be done only through Uniform Civil Code. If I talk about Bangladesh, there is a lot of discrimination against women in Muslim family law. Similarly, the civil laws of the Hindus are based on the Hindu scriptures, as a result of which the Hindu women there also do not have real rights. The Civil Code on the basis of equal rights should have already come into force there. But no government paid any attention in this direction. The trouble is that religious fundamentalism is so prevalent in Bangladesh today that it is unthinkable to make a civil code to give Muslim women their rights. While this would have been possible a few decades back. It is clear from this that if fundamentalism increases in the society, then only women have to bear the brunt of it. Similarly, Hindu women of Bangladesh want the right to divorce. There they do not have the right to do so. The organizations which are active for the rights of minority Hindus in Bangladesh also do not talk about the interests of the women of their society. On the other hand, the majority of Hindu women in India and Nepal have the right to divorce and remarry if widowed. From this it can be understood that all women are suffering the brunt of fundamentalism in Bangladesh, it is not limited to any one society. The major reason for the exploitation of all women in Bangladesh is that fundamentalism has affected girls and women of all classes and societies there. In a society where women are educated and self-reliant, divorce cases increase in that society, because such women have an increased sense of self-esteem and do not tolerate the tendency of male supremacy. It is quite natural. But it is unusual that the educated male class is not able to be conscious enough to stand in favor of women's rights, to give dignity and respect to women.Can give prestige Could hit the streets for them. While women were given their rights in the past, it was possible only through the initiative of men. Today, increasing bigotry in the society is proving fatal for women. When will that day come, when men will consider women as co-travellers and not as maids! Until that day comes, the emancipation of women is not possible.

Homeopathy Day Special: Hahnemann gave a new medical method to the world

World Homeopathy Day is celebrated every year on April 10, the birth anniversary of Friedrich Samuel Hahnemann. This medical method is very popular in many countries including India.-In many countries including India, 'World Homeopathy Day' is celebrated every year on 10 April on the birth anniversary of Dr. Christian Friedrich Samuel Hahnemann, a physician who gave an alternative to allopathic medicine, with the aim of creating awareness about the contribution of homeopathy in healthcare. To do. It is also a day to honor the contribution of Dr. Samuel Hahnemann in the field of medicine. Although there must be differences of opinion among doctors of different systems regarding the effectiveness and healthiness of this method of Hahnemann, its popularity has increased in the world, especially in India, where Ayurveda is a powerful alternative to allopathy, where it is most prevalent compared to other countries. Hui. This alternative medicine system uses natural substances to stimulate the body's own healing process. Homeopathy since 18th century- Homeopathic medicine uses natural substances to stimulate the body's own healing process. Whose principles were developed by the German physician Dr. Samuel Hahnemann in the late 18th century. It is based on the principle of "like cures like", which means that a substance that can cause symptoms in a healthy person can cure similar symptoms in a sick person. On World Homeopathy Day, various seminars, workshops and awareness programs are organized to educate people about the benefits of homeopathy. Homeopathy has gained popularity over the years as an alternative form of medicine and its effectiveness has been proven by numerous studies. Dr. Samuel Hahnemann (1755–1843) was a German physician and the founder of homeopathy. Hahnemann received his medical degree from the University of Erlangen in 1779 and practiced medicine in various parts of Germany. Hahnemann was disillusioned with the harsh medical treatments of his time. which often involved bleeding, purging, and the use of toxic substances such as mercury. He began experimenting with the use of natural substances such as plants and minerals as a way of stimulating the body's own healing process. The 'Organon of the Medical Art' is Hahnemann's most famous achievement and outlines the principles and practices of homeopathy. The Organon treatise was first published in 1810 and has been revised several times. Homeopathy is made up of two Greek words- Homeopathy is a combination of two Greek words, homoios and pathos. Homoios means equal and pathos means suffering. In other words, homeopathy is a system of treating diseases with remedies. Homeopathic products are made from mountain herbs, minerals such as white arsenic, poison ivy, and animal products such as crushed beeswax. These homeopathic products are in the form of sugar pellets, ointments, tablets, gels, creams and drops. Treatment is tailored to each individual's needs. Homeopathy is very effective in some diseases- Homeopathy practitioners are of the opinion that this method is often used as a complement or alternative to medicine to treat a wide range of ailments. Nevertheless, it is considered more effective in some diseases. These diseases include allergies, asthma, arthritis, anxiety and depression, chronic fatigue syndrome, migraines and headaches, digestive disorders, irritable bowel syndrome (IBS), skin conditions (such as eczema and psoriasis), menstrual disorders, such as menstruation Cramps and irregular periods, Respiratory infections, such as cold and flu etc. But it is important to consult with a qualified healthcare provider to determine the best course of treatment for your specific condition. Significantly, the acceptance and popularity of homeopathy varies greatly depending on country and region, and its use and recognition as a legitimate form of health care is still a matter of debate and controversy in some parts of the world. Homeopathy is prevalent in many countries- Homeopathy has been running for two centuries and has been serving humanity till date. It is practiced in many countries of the world and it has gained maximum popularity in India as well. Homeopathy is widely accepted as an alternative medicine in some countries such as India, Brazil and Germany. Homeopathy is also popular in Germany, which is said to have over 6,000 homeopathic doctors and has a long tradition of using homeopathy as an alternative medicine. Other countries where homeopathy is popular include France, Argentina, Mexico, Italy, and Spain. Whereas in many other countries, homeopathy is not widely accepted or practiced. As such, homeopathy in the United States is not regulated by the Food and Drug Administration (FDA) and is considered a complementary and alternative form of medicine. Most popular in India and Brazil- Homeopathy has a long history of use in India. It is estimated that more than 100 million people in India use homeopathy to protect their health. For example, India has over 200,000 registered homeopathic doctors and over 7,000 homeopathic hospitals and dispensaries.Governments themselves run homeopathic hospitals. Brazil is the second country after India where homeopathy is very popular and widely practiced, with more than 15,000 registered homeopathic doctors and a large number of homeopathic pharmacies. National Institute of Homeopathy gives degree- The National Institute of Homeopathy in India is an autonomous organization under the Ministry of Health and Family Welfare. It was established on 10 December 1975 in Kolkata and is now under the Ministry of AYUSH, Government of India. The institute was affiliated to the University of Calcutta till 2003-04 and affiliated to the West Bengal University of Health Sciences from the session 2004-05 and conducts degree courses in Homeopathy. Bachelor of Homoeopathic Medicine and Surgery is one of the degree courses offered by this institute. This course has been started since 1987 and its duration is five and a half years, including one year internship.

निकाय चुनाव के नामांकन में जुटा प्रशासन, DM ने तैयारियों को दुरुस्त करने का दिया निर्देश

मुरादाबाद- नगर निकाय चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद मंगलवार से होने वाले नामांकन की तैयारियां पूरी करने में जिला प्रशासन के अधिकारी जुट गए हैं। सोमवार को जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने महापौर और वार्ड पार्षदों के नामांकन के लिए तैयारियों का निरीक्षण किया।उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार के सामने मुशायरा ग्राउंड में बैरिकेडिंग कर वार्ड वार काउंटर बनाने, प्रत्याशियों, प्रस्तावकों, समर्थकों के आने जाने के रास्ते बनाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश उन्होंने दिया।साथ ही डीएम ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व युगराज सिंह को नामांकन के लिए पूरी व्यवस्था कराकर इसकी मानीटरिंग करने और आदर्श आचार संहिता का हर हाल में पालन कराने का निर्देश दिया। इसी क्रम में जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना के साथ कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था नगर निकाय चुनाव के दृष्टिगत तहसील सदर में नामांकन कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने उप जिलाधिकारी परमानंद सिंह व तहसीलदार को इससे संबंधित इंतजाम करने के निर्देश दिए।

नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर प्रशासन अलर्ट, शहर में राजनीतिक दलों के होर्डिंग्स और बैनर उतरवाए

मुरादाबाद- उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। जिसके तहत जिले में पहले चरण में चुनाव होना है। तारीख के ऐलान के बाद आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इसके बाद जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है और सभी राजनीतिक दलों के होर्डिंग्स और बैनर हटाए जा रहे हैं। शहर के अलग अलग चौराहों, इलाकों से नगर निगम की टीम ने सभी दलों के फ्लेक्सी (होर्डिंग्स) और पोस्टरों को जेसीबी की मदद से उतार दिया है। आपको बता दें कि नगर निकाय चुनाव के लिए तारीखों का एलान होते ही दावेदारों में हलचल बढ़ गई। शासन की ओर से चार और 11 मई को दो चरण में चुनाव कराने की घोषणा से हर जिले में सक्रियता बढ़ गई। मंडल के सभी पांच जिलों में पहले चरण में चार मई को वोट पड़ेंगे। जबकि 13 मई को नतीजे घोषित होंगे। एक अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद केवल तारीखों का इंतजार था। जो रविवार को समाप्त हो गया। एक अप्रैल को जिला स्तर पर मतदाता सूची जारी हुई जिसमें नवंबर में जारी सूची के अनुसार 9,38,424 की जगह मतदाताओं की संख्या बढ़कर 9,47,506 हो गई। नयी सूची में जिले में 9082 मतदाता बढ़े हैं। अब इन्हीं मतदाताओं के ऊपर प्रत्याशियों की राजनीतिक किस्मत लिखने का दारोमदार होगा। इनके हाथ में निकायों के सिरमौर की राजनीतिक तकदीर का फैसला 13 मई को होगा।

सपा सरकार के कार्यकाल में था जंगलराज, अब जनता सुरक्षित

मुरादाबाद- प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में प्रदेश में जंगलराज था, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार की सख्ती से अपराधियों को जेल भेजा गया। आज जनता सुरक्षित है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रभावी मतदाता सम्मेलन में मंत्री ने कहा कि हम सभी को स्थानीय निकाय चुनाव और लोकसभा चुनाव में हर बूथ पर कमल खिलाना है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने कन्नौज में बने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर डिग्री कॉलेज का नाम परिवर्तित करके राजकीय डिग्री कॉलेज रख दिया था। इससे बाबा साहब के प्रति अखिलेश यादव की मानसिकता उजागर हो गई थीं।जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शेफाली सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा सभी धर्म जाति वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलती हैं। नगर विधायक रितेश गुप्ता ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के नारे को सार्थक कर रही है। अध्यक्षता हरकेश सिंह ने और संचालन महानगर महामंत्री दिनेश शीर्षवाल ने किया।

सम्मेलन में नगर निकाय चुनाव संयोजक शम्मी भटनागर, एससी मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रजनीकांत जाटव, कार्यक्रम संयोजक कपिल देव, हरीश जाटव, मुनेंद्र पाल, शशि किरण, किशन लाल सिंह, रूपा देवी, रजनी, अनूप जाटव, अजय दिवाकर, प्रशांत सागर, जयप्रकाश, चंद्र प्रजापति, भाजपा महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा, श्याम बिहारी शर्मा, दिनेश सिसोदिया, सर्वेश पटेल, निमित जायसवाल, राहुल सेठी, सागर सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

मजदूर की बेटी सोनिया व अभिषेक ने नेशनल के लिए किया क्वालीफाई

मुरादाबाद- शहर के मजदूर की होनहार बेटी सोनिया ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। उन्होंने यूपी एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में लांग जम्प में पहला स्थान हासिल कर यह उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही अभिषेक ने भी दौड़ में दूसरा स्थान हासिल कर प्रतियोगिता में जगह बनाई। मन में कुछ करने का जज्बा हो तो मंजिल पाई जा सकती है। यह साबित कर दिखाया है नवीन नगर निवासी वरम सिंह की पुत्री सोनिया ने। वरम 10 साल पहले धनौरा से यहां बच्चों के सपने पूरे करने पहुंचे थे। मजदूरी कर उन्होंने बच्चों को पढ़ाया लिखाया। परिवार में पत्नी राखी, तीन बेटी नीतू, दामिनी, सोनिया और दो बेटे विक्की, गौरव हैं। सोनिया की शुरू से ही खेलों में रूचि थी। इसलिए बेटी को सोनकपुर स्टेडियम भेजना शुरू कर दिया। सोनिया कोच सौरभ के नेतृत्व में लांग जम्प में करियर तराशने लगी। परेशानियों के बावजूद पिता ने बेटी के खेल में किसी तरह की अड़चन नहीं आने दी। सोनिया राज्य स्तर पर अभी तक सात गोल्ड जीत चुकी है।लखनऊ में आयोजित हो रही यूपी एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में उसने अंडर 20 लांग जम्प में 5~31 जम्प लगा कर पहला स्थान हासिल किया।

वहीं, राज्य स्तर पर 9 गोल्ड जीत चुके अभिषेक पाल ने 800 मीटर दौड़ में 1~54 सेकंड का समय निकाल कर दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

चीखते रहे पत्नी और बच्चे: दरवाजा बंद कर ट्रक चालक ने लगा लिया फंदा, वजह जान आप भी चौंक जाएंगे

मुरादाबाद में पत्नी से विवाद होने पर ट्रक चालक ने आत्मघाती कदम उठा लिया। पत्नी और बच्चे दरवाजा खुलवाने के लिए चीखते रहे है लेकिन उसने किसी की नहीं सुनी और फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मुरादाबाद के अगवानपुर में पत्नी से विवाद होने पर शनिवार की रात ट्रक चालक अनिल पाल (27) ने नाराज होकर खुद को कमरे में बंद कर लिया और पत्नी का दुपट्टा लेकर पंखे में फंदा बनाने लगा। यह देखकर पत्नी और बच्चे चीखने लगे लेकिन उसने फंदा गले में डालकर लगाकर जान दे दी। चालक मुंबई में ट्रक चलता था। दो दिन पहले ही वह घर आया था। सिविल लाइंस पुलिस घटना की जांच कर रही है। काजीपुरा निवासी अनिल पाल (27) पुत्र वीरेंद्र पाल ट्रक चालक था। वह अक्सर मुंबई से माल लेकर आने जाने का काम रहता था। परिवार में उसकी पत्नी ज्योति, दो बच्चे रिशु और मनी है। ममेरे भाई गजेंद्र सिंह के अनुसार, बृहस्पतिवार को अनिल मुंबई से ट्रक लेकर घर लौटा था। इसके बाद पति और पत्नी के बीच घरेलू मामले को लेकर कहासुनी हो गई। शनिवार की रात दोनों के बीच विवाद काफी बढ़ गया। इसके बाद अनिल कमरे में गया। उसने कमरे का अंदर से कुंडा लगा लिया। पत्नी और बच्चे दरवाजा खुलवाने के लिए शोर मचाने लगे। फिर भी उसने दरवाजा नहीं खोला। इसी बीच उसने पत्नी के दुपट्टे का का फंदा बनाकर पंखे में लटक गया। शोर शराबा सुनकर परिजन और पड़ोसी दौड़कर आए। उन्होंने दरवाजा तोड़ा तो चालक का शव पंखे से लटक रहा था। परिजनों ने उसको फंदे से नीचे उतारा और कांठ रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर गए। कोई सुनवाई नहीं होने पर परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल लेकर गए। यहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

प्रवर्तन की कार्यवाही एवं अवैध वाहन पर विशेष ध्यान दिया जाये-डीएम

मुरादाबाद -जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय में कर-करेत्तर एवं राजस्व प्राप्ति की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में वाणिज्यकर, आबकारी, परिवहन, विद्युत एवं मण्डी द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति प्राप्त न कर पाने तथा पिछले वर्ष से इस वर्ष पीछे रहने पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि देयों की शतप्रतिशत प्रगति हेतु अभी से शैड्यूल निर्धारित कर लें तथा नियमित समीक्षा कर लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति प्राप्त करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि प्रवर्तन की कार्यवाही के साथ अवैध वाहन न चलने पाये, इस पर विशेष ध्यान दिया जाये। ओवरलोडिंग वाहनों का का चालान करें। जिलाधिकारी ने कहा कि ठाकुरद्वारा स्थित चैकपोस्ट तभी उपयोगी होगा जब उसकी ठीक तरह से मानीटरिंग सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि लक्ष्य पूर्ण करने हेतु स्थलीय निरीक्षण जरुर करें और बिना शिकायत होने पर भी समय-समय पर निरीक्षण कर फीडबैक लेते रहें। उन्होंने उपस्थित विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्य को गम्भीरता से लेकर शत प्रतिशत पूर्ण किया जाये। बैठक में ए0सी0 फूड विनोद कुमार सिंह, मण्डी निरीक्षक सत्यवीर सिंह, खनन निरीक्षक सुमित कुमार सिंह, उप प्रभागीय वनाधिकारी सत्येन्द्र कुमार, खान अधिकारी राहुल कुमार सिंह, जिला आबकारी अधिकारी महेन्द्रपाल सिंह, प्रभारी सहायक महानिबंधक प्रवीण यादव, ए0आर0एम0 नरेश चन्द्र गुप्ता, ए0आर0टी0ओ0 छवि सिंह, अधिशासी अभियन्ता विद्युत शैलेन्द्र सिंह, सीआरए श्री विनोद कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीगण आदि उपस्थित रहें।

मुरादाबाद में नेशनल हाईवे पर अलग-अलग दो हादसों में तीन की मौत, मरने वालों में दो लोग हिमाचल के

लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर दस घंटे के भीतर अलग-अलग दो सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक जोया और दो हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पहला हादसा रविवार की रात 10 बजे हुआ। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव जोया के मोहल्ला मुंशियान में अनवार का परिवार रहता है। उनका सातवें नंबर का बेटा मुनाजिर भी शादीशुदा था।

मुनाजिर के परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटी और दो बेटे हैं। रविवार की रात मुनाजिर खाना खाने के बाद पैदल टहलने के लिए निकला था। तभी दिल्ली की दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में मुनाजिर(32) की मौके पर मौत हो गई। थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतक मजदूरी करता था। मामले में कार नंबर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दूसरा हादसा सोमवार की सुबह सात बजे हुआ। इस दौरान एक ऑल्टो कार में सवार दो लोग मुरादाबाद की ओर से दिल्ली की तरफ जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार जोया में पहुंची तभी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जबकि उसमे सवार दोनों लोगों की मौत हो गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। पुलिस की जांच में कार तेज रफ्तार होने की बात सामने आई है। काफी मसक्कत करने पर कार की आरसी के आधार पर सामने आया कि मृतक हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं। कार की आरसी हिमाचल में बिलासपुर के रहने वाले महाजन के नाम पर है। हालांकि अभी तक मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी। सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि तीनों शवों का पोस्टमार्टम के लिए भेज गया है। कार सवार मृतकों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

पांच सौ वर्ष पुराने मंदिर में बिहारीजी के गले से लिपट रोये रामभद्राचार्य जी, बोले-भागवत कथा भी सुनाउंगा

आगरा में मीना कोठी बाजार मैदान में रामभद्राचार्य जी श्रीरामकथा का वाचन कर रहे हैं। इसी बीच वह पांच सौ वर्ष पुराने मंदिर में बिहारीजी के दर्शन करने पहुंचे। यहां वह बिहारीजी के गले से लिपटकर रोने लगे। बोले कि यहां भागवत कथा भी सुनाउंगा। उत्तर प्रदेश के आगरा में तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरू रामभद्राचार्य जी श्रीराम कथा का वाचन कर रहे हैं। रविवार की सुबह वह नाई की मंडी के कटरा हाथी शाह में प्रेम निधि परिवार के 500 वर्ष पुराने ठाकुर श्याम बिहारीजी मंदिर में पहुंचे। यहां उन्होंने मंगला आरती की। प्रेमनिधि मिश्र की हस्तलिखित पुस्तक को सुना। इस मौके पर वह ठाकुरजी की मूर्ति के गले से लिपट गए। उनकी आंखों से अश्रुधारा बह निकली। यह देख माहौल भावविह्वल हो गया। शाम को उन्होंने बातचीत में कहा कि ठाकुर श्याम बिहारी के मंदिर का जीर्णोद्धार होता है तो वो एक दिसंबर से सात दिसंबर तक सीता बाजार में भागवत कथा सुनाएंगे।

रखेंगे मंदिर की पहली ईंट

स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि वह 40 साल पहले मंदिर में दर्शन करने आए थे। तब ठाकुरजी के दर्शन किए थे। आज फिर उन्होंने बुला लिया। अब वो चाहते हैं कि मंदिर का जीर्णोद्धार कराया जाए। अगर, 30 नवंबर तक यह काम पूरा होता है तो वो फिर आगरा आएंगे। प्रेमनिधि महाराज भागवत करते थे। अब वो भी भागवत कथा सुनाएंगे। यह कथा सीता बाजार में ही होगी। समिति की प्रमुख डा. मृदुला कठेरिया ने मंदिर के लिए 51 लाख रुपये देने की घोषणा की। कहा कि मंगलवार को चेक के साथ मंदिर की पहली ईंट रखेंगे।

दो मूर्तियां स्थापित थीं

कटरा हाथी शाह निवासी दिनेश पचौरी ने बताया कि प्रेमनिधि मिश्र, नाना पंडित गोविंद लाल गोस्वामी के पूर्वज थे। मंदिर पहले रावतपाड़ा में था। औरंगजेब के डर से मंदिर के सेवादार ठाकुरजी को कटरा हाथी शाह ले आए।

तब दो मूर्तियां स्थापित कीं। एक विग्रह में थी तो दूसरी ऊपर थी। बाद में दतिया के राजा मूर्ति ले गए। उन्होंने भव्य मंदिर बनवाया।

बिहारीजी के गले से लिपटकर रोये जगदगुरू रामभद्राचार्य

दिनेश पचौरी ने बताया कि तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरू रामभद्राचार्य रविवार सुबह छह बजे मंदिर आए थे। उन्होंने ठाकुर बिहारीजी के दर्शन किए। मंगला आरती की। आरती करते ही ठाकुर बिहारीजी का चरण स्पर्श करते हुए गले से लिपट गए। उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे। इस दौरान लोग भी भावविह्वल हो गए। तुलसी पीठाधीश्वर ने प्रेमनिधि मिश्र की हस्तलिखित 500 वर्ष पुरानी पुस्तक करुणा पच्चीसी को भी सुना। इसमें ठाकुर जी के दास भाव के 25 पद हैं।

बेटी ने बनाया ठाकुरजी और प्रेमनिधि का चित्र

दिनेश पचौरी ने बताया कि बारिश के दिन प्रेमनिधि और कान्हा के प्रसंग के दृश्य को उनकी बेटी वैष्णवी पचौरी ने खुद चित्र में बनाया है।

तुलसी पीठाधीश्वर के आने पर उन्हें चित्र भेंट भी किया। इस पर उन्होंने बिटिया को 5100 रुपये आशीर्वाद स्वरूप दिए।

आकांक्षा के कारण बनी समर सिंह की पहचान, भोजपुरी एक्ट्रेस की मां बोली- 2 करोड़ में बिक गई पुलिस

भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की मां ने सोमवार को वाराणसी में न सिर्फ पुराने आरोपों को दोहराया बल्कि कई नए आरोप भी मढ़ दिए। उन्होंने कहा कि मुझे सारनाथ थाने की पुलिस पर भरोसा नहीं है। समर सिंह से दो करोड़ रुपये लेकर सारनाथ थाने की पुलिस बिक गई है। भोजपुरी गायक समर सिंह को तीन साल पहले कोई नहीं जानता था। आकांक्षा दुबे के कारण ही समर की पहचान बनी। जिसके कारण पहचान बनी उसी की जान समर सिंह ने ली है। अब पुलिस ने गिरफ्तार किया है तो वो घड़ियाली आंसू बहा रहा है। ये बातें भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा की मां मधु दुबे ने सोमवार को वाराणसी में मीडिया से बात करते हुए कहीं। प्रेस वार्ता में मधु दुबे ने न सिर्फ पुराने आरोपों को दोहराया बल्कि कई नए आरोप भी मढ़ दिए। कहा कि मुझे सारनाथ थाने की पुलिस पर पर भरोसा नहीं है। समर सिंह से दो करोड़ रुपये लेकर सारनाथ थाने की पुलिस बिक गई है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आकांक्षा की मौत में मामले में सारनाथ

पुलिस ने किसी तरह की छेड़छाड़ की तो ठीक नहीं होगा। बताया कि आकांक्षा का मोबाइल सहित अन्य सामान सारनाथ थाने में ही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन समर के साथ मिला हुआ है। पुलिस ही समर को छिपाकर रखी थी। दबाव बनने पर गिरफ्तारी दिखा दी। समर के समाजवादी पार्टी से संबंध हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की। एक सवाल के जवाब में मधु दुबे ने दोहराया कि मेरी बेटी आकांक्षा आत्महत्या नहीं कर सकती। उसकी हत्या में समर और संजय सिंह शामिल है। होटल का मैनेजर और सारनाथ पुलिस समर सिंह की साजिश का हिस्सा है। मधु दुबे ने कहा कि 25 मार्च की रात 8 बजे तक बिल्कुल खुश थी। फोन पर बात हुई थी। आकांक्षा जब महमूरगंज में पार्टी कर होटल लौटी तो बिल्कुल ठीक हालत में थी। लेकिन होटल मैनेजर ने बताया था कि वह शराब के नशे में थी। उसके कदम लड़खड़ा रहे थे। जबकि सीसीटीवी फुटेज में वह बिल्कुल ठीक दिख रही है।उन्होंने पूछा कि रात करीब दो बजे युवक के होटल आने का सीसीटीव फुटेज है लेकिन उसके वापस जाने का वीडियो नहीं है। अचानक ऐसा क्या हो गया कि आकांक्षा ने खुदकुशी कर ली। आरोप लगाया कि आकांक्षा के कमरे में पहुंचने से पहले वहां किसी व्यक्ति को बैठाया गया था। उसी ने आकांक्षा की हत्या की। मेरी बेटी खुदकुशी कर ही नहीं सकती। उसके पास कोई कमी नहीं थी। उसे मारा गया है। जब मधु दुबे से सवाल किया गया कि समर सिंह खुद को निर्दोष बता रहा है और गिरफ्तारी के बाद से रो रहा है तो उन्होंने कहा कि कहा कि समर बहुत शातिर है।

वो घड़ियाली आंसू बहा रहा है। मधु दुबे ने कहा कि एक साल पहले इसी सारनाथ में बर्थडे पार्टी के दौरान समर ने बेटी आकांक्षा को मारा था। तब आकांक्षा ने सारनाथ थाने में शिकायत की थी। आकांक्षा ने फोन कर इसकी सूचना भी दी थी। तब मैंने समर को फोन कर बहुत डांटा था। तब सारनाथ पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। 21 मार्च को संजय सिंह ने फोन पर आकांक्षा को धमकी दी थी। 26 मार्च की रात हत्या कर दी।

मां के लिए छोड़ी लाखों की नौकरी: स्कूटर से यशोदा को दुनिया दिखाने निकले कृष्ण, 62 हजार KM चलकर पहुंचे काशी

कभी भगवान कृष्ण ने बाललीला के दौरान मुंह में मां यशोदा को ब्रह्मांड के दर्शन कराए थे। अब मैसूर के 44 वर्षीय कृष्ण कुमार अपनी 74 वर्ष की मां चूड़ा रत्नम्मा को स्कूटर से दुनिया दिखाने निकले हैं। वाराणसी पहुंचने पर सोमवार को उनका नागरिक अभिनंदन किया गया।माता-पिता की सेवा के लिए श्रवण कुमार की हमेशा से नजीर दी जाती है। लेकिन कर्नाटक के मैसूर निवासी कृष्ण कुमार जिस अंदाज में अपने माता को लेकर बनारस पहुंचे, लोग उन्हें मॉडर्न श्रवण कुमार कह रहे हैं। दो हेलमेट, बैग में कुछ जरूरी सामान, दो बोतल पानी और एक छाता लेकर केए-09 एक्स 6143 नंबर की 25 साल पुरानी बजाज चेतक स्कूटर से कृष्ण अपनी मां को दुनिया दिखाने निकले हैं। अभी तक वह 62 हजार किमी से ज्यादा की दूरी तय कर तीन देशों की यात्रा पूरी कर चुके हैं। कभी कृष्ण ने बाललीला के दौरान मुंह में मां यशोदा को ब्रह्मांड के दर्शन कराए थे। अब मैसूर के 44 वर्षीय कृष्ण कुमार अपनी 74 वर्ष की मां चूड़ा रत्नम्मा को स्कूटर से दुनिया दिखाने

निकले हैं। वाराणसी में कृष्ण और उनकी मां का अभिनंदन-नौकरी छोड़कर कृष्ण कुमार ने अपनी मां को देश के मंदिरों में दर्शन- पूजन कराने के उद्देश्य से सितंबर 2020 में 25 साल पुरानी बजाज चेतक स्कूटर से मैसूर से यात्रा शुरू की। इस यात्रा को उन्होंने मातृ सेवा संकल्प नाम दिया है। भूटान, नेपाल, म्यामांर सहित देश के कई राज्यों में भ्रमण करने बाद चित्रकूट होते हुए रविवार को बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी पहुंचे।सोमवार को तुलसी घाट पर कृष्ण कुमार और उनकी मां का नागरिक अभिनंदन किया गया। संकट मोचन मंदिर के महंत व आईआईटी बीएचयू के प्रोफेसर विशंभर नाथ मिश्र ने उनका माल्यार्पण कर अंगवस्त्रम से स्वागत किया। इस अवसर पर संकट मोचन मंदिर के महंत ने कहा कि मां के लिए समर्पित ऐसे पुत्र का अभिनंदन होना ही चाहिए। इससे समाज में एक अच्छा संदेश जाएगा। आज की युवा पीढ़ी भी अपने मां-बाप की इसी तरह से सेवा करेगी। वहीं दक्षिणामूर्ति कृष्ण कुमार ने बताया कि उनकी यही इच्छा है कि उनकी मां देश के सभी मंदिरों में दर्शन पूजन करें। वह अपने पिता द्वारा उपहार में मिली बजाज चेतक स्कूटर से ही इस पावन यात्रा पर निकले हैं। पेशे से कंप्यूटर इंजीनियर रहे कृष्ण कुमार ने शादी नहीं की। अपने बारे में उन्होंने बताया कि कर्नाटक के मैसूर में उनकी मां ने ताउम्र संयुक्त परिवार की सेवा में बिता दी। वन विभाग में कार्यरत रहे पिता दक्षिणामूर्ति की 2015 में मृत्यु हुई तो बंगलौर में रह रहे कृष्ण कुमार उन्हें अपने पास ले आए। शाम को ऑफिस से लौटकर दोनो मां-बेटे आपस में बात करते तो एक दिन मां ने बताया कि उन्होंने घर के बाहर कभी कोई स्थान नहीं देखा।ने के काबिल बनाया, घर के हर शख्स को बनाने के लिए अपना पूरा जीवन खपा दिया। अब वह मां को दुनिया दर्शन कराएंगे। लिहाजा वर्ष 2016 में उन्होंने नौकरी छोड़कर यात्रा शुरु कर दी।

कमरे में खून के छींटे, लाश की तलाश: हत्या में फंसे जिला पंचायत सदस्य और पत्नी हिरासत में, पुलिस कर रही पूछताछ

जिला पंचायत सदस्य निरंजन यदुवंशी और मंजू यदुवंशी के खिलाफ विकास सिंह की हत्या करने की रिपोर्ट गुरुवार को दर्ज हुई है। हालांकि अभी तक विकास का शव बरामद नहीं हुआ है, लेकिन निरंजन की ससुराल में विकास की चप्पलें और कमरे में खून के छींट मिले हैं। बरेली के मीरगंज क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य निरंजन यदुवंशी और उनकी पत्नी मंजू यदुवंशी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। विकास सिंह नाम की हत्या में नामजद दोनों के खिलाफ पुलिस टीम को तमाम सबूत मिले हैं। निरंजन की ससुराल में विकास को बहाने से बुलाकर मारपीट करने की पुष्टि हुई है। हालांकि पूरे आरोपों की पुष्टि के लिए पूछताछ की जा रही है। नथपुरा गांव निवासी निरंजन और मंजू यदुवंशी के खिलाफ विकास सिंह की हत्या करने की रिपोर्ट गुरुवार को दर्ज हुई है। विकास की मां मीरा सिंह ने आरोप लगाया कि पत्नी से विकास की नजदीकी से बौखलाए निरंजन ने साजिश के तहत बुलवाकर उनके बेटे की हत्या कर शव छिपा दिया है। सोमवार शाम वह खाना खाकर मोबाइल पर बात करता घर से निकल गया था, तब से उसका सुराग नहीं लगा है। इसके बाद से पुलिस साक्ष्य जुटाने में लगी थी।

निरंजन की ससुराल में की छानबीन

रविवार सुबह थाना पुलिस, सर्विलांस सेल, एसओजी डॉग स्क्वायड के साथ निरंजन की ससुराल पहुंच गई। टीमों ने स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद ससुराल के कमरों की तलाशी ली। वहां एक कमरे में विकास की चप्पलें बरामद हो गईं और दीवारों पर खून जैसे छींटे भी मिले। इसके बाद टीम खोजी कुत्ते को लेकर घूमी जो गांव से बाहर खेतों तक गया। चार टीमों ने शव छिपाने के अंदेशे में गांव की चारों दिशाओं में करीब तीन किमी तक जंगल और खेतिहर इलाके में तलाश की। दोपहर बारह से तीन बजे तक जांच में कुछ नतीजा नहीं मिल सका। इस दौरान निरंजन और उनकी पत्नी मीरगंज थाने पहुंच गए। पुलिस ने उनको हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। निरंजन से एक कमरे में सीओ हर्ष मोदी व इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह तो मंजू से दूसरे कमरे में महिला पुलिस सवाल दाग रही है। यहां फिलहाल दोनों हत्या के आरोप से इनकार कर रहे थे।

नानी ने स्वीकारा- पिटाई के बाद भागा था विकास

निरंजन की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस पर दबाव बढ़ा तो पुलिस ने रिश्तेदारों को थाने में बैठाना शुरू कर दिया। निरंजन की ससुराल के पड़ोस में ही उनकी रिश्ते की नानी और मामा रहते हैं। पुलिस ने इनसे पूछताछ की तो नानी ने बताया कि निरंजन के ससुर का कहीं इलाज चल रहा था। इसलिए निरंजन की पत्नी अपने मायके आई थीं। सोमवार रात शोरशराबे पर वह जागीं तो पता लगा कि निरंजन की पत्नी के नंबर से कॉल करके विकास को बुलाया गया था, उसकी पिटाई की गई थी। उन्हें बताया गया कि वह फरार हो गया।

सेटिंग से हुआ सरेंडर

मुकदमा दर्ज होने के दौरान निरंजन मीरगंज में ही थे। उन्होंने विकास से जुड़ाव की बात सिरे से खारिज कर खुद को निर्दोष बताया था। बाद में वह मोबाइल बंद कर भूमिगत हो गए। सूत्रों के मुताबिक निरंजन पत्नी समेत दिल्ली में एक नेता के संरक्षण में थे। उन्हीं की पैरवी के बाद निरंजन को पुलिस को सौंपा गया।

इंस्पेक्टर पर लगाए आरोप, कप्तान पर जताया भरोसा

निरंजन यदुवंशी कुर्मी बिरादरी से और विकास सिंह जाट समुदाय से जुड़े हैं। दोनों ही पक्ष के लोग भाजपा से जुड़े हैं। सूत्र बताते हैं कि शुरू में पुलिस निरंज पर रिपोर्ट लिखने से कतरा रही थी, लेकिन विकास पक्ष ने प्रदेश के एक बड़े भाजपा नेता से शिकायत की तो रिपोर्ट दर्ज की गई। रविवार को विकास के परिवार के कई लोग निरंजन की ससुराल वाले गांव में पुलिस की कार्रवाई देखने पहुंचे। इन लोगों ने थाना पुलिस खासकर इंस्पेक्टर मीरगंज पर आरोपी पक्ष से दोस्ती का आरोप लगाया। उन्हें एसएसपी पर भरोसा है कि सही कार्रवाई होगी। विकास को लेकर स्थिति स्पष्ट न हुई तो एसएसपी दफ्तर पर धरना देकर अपनी बात रखेंगे। हालांकि सीओ ने इन्हें आश्वासन दिया कि पुलिस जीजान से खुलासे में जुटी है। एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने बताया कि पुलिस पूरी निष्पक्षता से काम कर रही है। जल्दी ही केस का खुलासा कर सच सामने लाया जाएगा। कोई कितना ही प्रभावशाली हो, अगर वह दोषी है तो जेल जाएगा।

बेटियों ने दिया पिता को कांधा, मुखाग्नि भी

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा-बेटियों ने दिया पिता को कांधा, मुखाग्नि भी, तस्वीरें देखने वालों तक की छलकी आंखे, बाह के रुदमुली गांव के सिरमोर सिंह की इंदौर में हार्ट अटैक से गई थी जान।

बाह। बाह के रुदमुली गांव के सिरमोर सिंह भदौरिया (84) की धामनोद (इंदौर) में बेटी के घर पर हार्ट अटैक से जान चली गई थी। उनकी बेटियों के शव को कांधा और मुखाग्नि देने की तस्वीरें देखने वालों तक की आंखे छलक पडी। रुदमुली के सिरमोर सिंह भदौरिया की पत्नी डॉ अरुणा भदौरिया भदावर पीजी कॉलेज की हिन्दी प्रवक्ता थी। 10 साल पहले उनके निधन के बाद से बेटियों के पास रह रहे थे। बेटियां सरकारी कॉलेज की प्रधानाचार्या अंजना (बीनू) चिकित्सा प्रभारी डॉ आरएस तोमर, अलका (भारती) संत कुमार सिंह को इंदौर में ब्याही हैं। जबकि डॉ अजीता (मधु) दिल्ली में समकालीन चौथी दुनिया के संपादक प्रवीन

चौहान को ब्याही हैं। शुक्रवार की सुबह वह बेटी अलका (भारती) के इंदौर के

धामनोद स्थित घर के बाथरूम में गये थे। वहीं पर हार्ट अटैक से उनकी सांसे थम गई। शनिवार को सिरमोर सिंह भदौरिया को उनकी बेटी और दामादों ने कांधा दिया। शव यात्रा का यह दृश्य भावुक कर देने वाला था। नर्मदा नदी के ओमकारेश्वर घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि बेटी अंजना (बीनू) ने दी। सोशल मीडिया पर वायरल हुई शव यात्रा एवं अंत्येष्टी की तस्वीरें देख कर गांव रुदमुली और कर्मभूमि बाह के लोगों की आंखे छलक पडी।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
बिना किसी सिक्यूरिटी के
KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

रसोईया छुट्टी पर ,नौनिहाल पका रहे मिड डे मील, शासन की योजना को हवा में उड़ा रहे शिक्षक

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा-रसोईया छुट्टी पर ,नौनिहाल पका रहे मिड डे मील शासन की योजना को हवा में उड़ा रहे शिक्षक मौके पर जांच करने पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी को शिक्षक ने दी धमकी जैसे तैसे जान बचाकर भागे खंड शिक्षा अधिकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला प्रेमी ब्लॉक अलीगंज पर प्राथमिक विद्यालय नगला बेनी के प्रधानाध्यापक जिलेदार सिंह शनिवार को विद्यालय परिसर में बच्चों से रोटी सब्जी बनवा रहे हैं । यह चौंकाने वाला वाकिया अलीगंज विकास खंड का है ।जब शासन की मंशा के विरुद्ध विद्यालय के प्रधानाध्यापक जिलेदार सिंह की मौजूदगी में विद्यालय के ही बच्चे स्वयं मिड डे मील

बनाते दिख रहे हैं ।इतना ही नहीं जांच करने पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी अलीगंज को प्रधानाध्यापक ने धमकी देते हुए कहा इस विद्यालय को ना ही चेक करो तो अच्छा है ।खंड शिक्षा अधिकारी अलीगंज वहां से जैसे तैसे शिक्षामित्रों की मदद से अपनी जान बचाकर भागे ढ्विद्यालय पर तैनात रसोइयों को छुट्टी दे दी गई ।अधिक जानकारी करने पर खंड शिक्षा अधिकारी को धमकी दी गई । और विद्यालय में किसी भी तरह का अवलोकन नहीं करने दिया ।मामले का लिखित संज्ञान खंड शिक्षा अधिकारी अलीगंज श्री सुरेंद्र कुमार अहिरवार ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को दे दिया है ।अग्रिम आदेश प्राप्त होते ही दोषी शिक्षित के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज कराई जाएगी

मायावती बोलीं- माफिया अतीक अहमद के परिवार के किसी भी सदस्य को टिकट नहीं देगी बसपा

मायावती ने कहा है कि प्रयागराज में हुई उमेश पाल की हत्या को लेकर जो तथ्य सामने आए हैं उसके बाद बसपा अतीक अहमद व उसके परिवार के किसी भी सदस्य को टिकट नहीं देगी ।बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस कर निकाय चुनाव की घोषणा का स्वागत किया है और सरकार व संबंधित अधिकारियों से अपील है कि यह चुनाव ईवीएम से न कराकर बैलट पेपर से कराए जाएं। उन्होंने कहा कि बसपा इन चुनाव में पूरी तैयारी और दमदारी से लड़ेगी ।मायावती ने माफिया अतीक अहमद के परिजनों को टिकट देने पर भी स्थिति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में हुई उमेश पाल की हत्या को

लेकर जो तथ्य सामने आए हैं और इस घटना में अतीक की पत्नी का नाम आते ही व उसके फरार होने पर स्थिति बदल गई है। ऐसी स्थिति में हमारी पार्टी न अतीक की पत्नी और न ही उनके परिवार के किसी भी सदस्य को मेयर का टिकट देगी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नगर निकाय चुनावों की घोषणा का स्वागत करती है। हमारी सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील है कि वह चुनाव श्ङ्करूसे न कराकर बैलट पेपर से कराएं। क्क्स्क्रने इन चुनावों को पूरी तैयार और दमदारी से लड़ेगी- बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती, लखनऊप्रयागराज में हुई उमेश पाल की हत्या को लेकर जो तथ्य सामने आए हैं और इस घटना में अतीक की पत्नी का नाम आते ही व उसके फरार होने पर स्थिति बदल गई है। ऐसी स्थिति में हमारी पार्टी न अतीक की पत्नी और न ही उनके परिवार के अन्य सदस्य को वहां मेयर का टिकट नहीं देगी-क्क्स्क्र प्रमुख मायावतीकयास लगाए जा रहे थे कि बसपा अतीक अहमद की पत्नी या फिर उसके भाई अशरफ की पत्नी को प्रयागराज के मेयर पद का चुनाव लड़ा सकती है पर मायावती ने टिकट देने से इंकार कर दिया।

35 ग्राहकों का 31 लाख ले भागा बैंकमित्र गिरफ्तार

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा-गरीबों की मेहनत की पूंजी लेकर भागा आरोपी धीरज तिवारी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। बैंक में रुपये जमा करने एवं फर्जी एफडी बनाकर आरोपी ने कई ग्राहकों के रुपये हड़प कर गया था। अचानक रुपये लेकर केन्द्र बंदकर भाग गया था। इस पर कई पीड़ितों ने कोतवाली नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस लाइन में एएसपी धनंजय सिंह कुशवाहा ने बताया कि आरोपी धीरज तिवारी पुत्र रक्षपाल सिंह निवासी नगला गिरधर थाना जसरथपुर बैंक मित्र था और भारतीय स्टेट बैंक अरूणानगर से संबंध था अवागढ़ हाउस में इसका केन्द्र था। ग्राहक इसी के सेवा केन्द्र पर रुपये जमा करने आए थे और एफडी भी बनवाते थे। सभी ग्राहकों के रुपये लेकर अचानक भाग गया। इसके खिलाफ कोतवाली नगर में कई एफआईआर दर्ज कराई गई थी। कोतवाली नगर प्रभारी डा. सुधीर राघव, टीम ने आरोपी धीरज तिवारी को

रविवार को सैनिक पड़ाव अलीगंज रोड़ के पास से पकड़ा। एएसपी ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध बीते साल 19 अप्रैल 26 नवंबर, 25 दिसंबर को कोतवाली नगर पर सूचना प्राप्त हुई। अवागढ हाउस एडीवी भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी ने धोखाधड़ी कर ग्राहकों से पैसा लेकर फर्जी हस्ताक्षर कर रुपयों का गबन कर लिया गया है। बताया कि करीब 30-35 लोगों के साथ धोखाधड़ी की। ग्राहकों का करीब 31 लाख 40 हजार रुपयों का गबन किया है। आरोपी के विरुद्ध दर्ज थी तीन एफआईआर, भेजा है जेल ?कोर्ट के आदेश से दर्ज कराई गई थी आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट किसी को मुआवजा, किसी की मेहनत-एटा। ठगी के शिकार हुए इनमें दो लोग ऐसे भी थे जिन्हे रेल विभाग से जमीन अधिग्रहण होने के बाद मुआवजा मिला था। एफडी बनवाने के लिए तीन से चार लाख रुपये दे दिए थे। कई ग्राहक ऐसे थे जिन्होने मेहनत कर रुपये जमा कर रहे थे। सभी का रुपया लेकर भाग गया था।

छापे में चार अपंजीकृत क्लीनिक सील किए

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा-अपंजीकृतों के विरुद्ध रविवार को एसीएमओ डा.राममोहन तिवारी के नेतृत्व में छापामार अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ब्लॉक निधौलीकलां क्षेत्र में चार अपंजीकृत क्लीनिक सील किये गये। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से क्षेत्र के अपंजीकृतों में हड़कंप मचा रहा। स्वास्थ्य विभाग के एसीएमओ ने टीम के सहित निधौलीकलां में मुख्य बाजार में बेनीराम, निधौलीकलां रोड जवाहरपुर पीसीएफ गोदाम के पास अक्षय खान पुत्र दफेदार खान, काली मंदिर के पास निधौलीकलां में बंगाली डाक्टर चरनजीत सिंह और जलेसर रोड स्थित सुधाशु शेखर विश्वास के अपंजीकृत क्लीनिक को सील किया है। स्वास्थ्य विभाग ने कस्बा में की छापेमार कार्रवाई से दिनभर हड़कंप मचा रहा। कस्बा के अन्य अपंजीकृत क्लीनिक, पैथोलॉजी, एक्सरे संचालक अपनी-अपनी दुकान बंद कर भाग खड़े रहे। जब तक स्वास्थ्य विभाग की टीम कस्बा में रही। अपंजीकृतों की नजर और जासूस उसके पीछे लगे रहे। तीन घंटे कस्बे में स्वास्थ्य टीम के रहने से क्लीनिक संचालकों में रही बेचैनी अपंजीकृत क्लीनिक, पैथोलॉजी बंद कर टीम जाने का करते रहे इंतजार निधौलीकलां में रविवार को टीम भेजकर चार क्लीनिक सील कराये गये हैं। सील किये गये क्लीनिक संचालकों को जबाव देने के लिए नोटिस भी दिया गया है। आगे भी इसी तरह अभियान चलाकर अपंजीकृतों पर कार्रवाई की जाएगी। -डा. उमेश कुमार त्रिपाठी, सीएमओ, एटा।

कुकर्मी शिक्षक चढ़ा हत्थे ,छात्रा के साथ दरिंदगी करने वाला

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा-छात्रा के साथ दरिंदगी करने वाला शिक्षक पुलिस के हत्थे चढ़ गया। कानूनी कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा है। एएसपी धनंजय सिंह कुशवाहा ने प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि आरोपी प्रमोद उर्फ पीके यादव पुत्र लक्ष्मण निवासी धारिकपुर थाना बागवाला को कोतवाली देहात पुलिस ने पकड़ा। आरोपी पर पीड़िता की मां ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें आरोप थे कि कुछ दिन पहले होमवर्क देने के बहाने क्लासरूम में लेकर जाकर बेटी से दरिंदगी की थी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी

अधिकारियों, पुलिस बल के साथ नगर क्षेत्र में भ्रमण कर लिया जायजा

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा-नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन मा0 राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय निर्वाचन हेतु जारी की सार्वजनिक सूचना जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल, एसएसपी उदय शंकर सिंह ने अधिकारियों, पुलिस बल के साथ नगर क्षेत्र में भ्रमण कर लिया जायजा हाथी गेट, शिकोहाबाद रोड, जीटी रोड सहित अन्य स्थानों पर भ्रमण कर हटवाए राजनैतिक होर्डिंग्स मा0 आयोग के निर्देशानुसार नगर निकाय क्षेत्र में आदर्श चुनाव आचार संहिता का पालन कराने के निर्देश दिए इस दौरान एडीएम प्रशासन आलोक कुमार, एएसपी धनंजय सिंह एसडीएम सदर शिव कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण आदि मौजूद रहे।

यूपी नगर निकाय चुनाव में सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी कांग्रेस, जीत को लेकर ये हैं दावे

कांग्रेस पार्टी यूपी के निकाय चुनाव में सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया अंतिम दौर में है।उत्तर प्रदेश में होने जा रहे नगर निकाय चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बृहद स्तर पर रणनीति बनाई है। कांग्रेस प्रदेश के 17 नगर निगमों, 199 नगर पालिका परिषदों एवं 544 नगर पंचायतों सहित सभी वार्डों में जिताऊ और मजबूत प्रत्याशी उतारेगी। जिसके लिए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में लगातार बैठकें चल रही हैं, प्रभारियों की नियुक्तियां हो रही हैं और सीटवार समीकरणों के आधार पर प्रत्याशियों की चयन प्रक्रिया लगभग अंतिम दौर में है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने कहा कि नगर निकाय चुनाव कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी और प्रदेश में पार्टी को अप्रत्याशित सफलता मिलने की उम्मीद है। उन्होने कहा कि प्रदेश भर में जहां वरिष्ठ और अनुभवी कांग्रेसजनों और युवाओं के तालमेल से क्षेत्रों में पार्टी की उपलब्धियों को आम जन तक पहुंचाया जा रहा है और जनहित के मुद्दों पर विगत कई वर्षों से केवल कांग्रेस पार्टी लड़ रही है। इसके आधार पर इस चुनाव में आम जनता का पूरा समर्थन पार्टी को मिलेगा।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चाहे कोरोना का आपदा काल रहा हो किसानों की समस्याएं रही हों, व्यापारियों, युवाओं, महिलाओं, बेरोजगारों, भर्तियों में हुई धांधली, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों सहित सभी वर्गों के उत्पीड़न के खिलाफ सिर्फ कांग्रेस पार्टी ने सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दलितों एवं पिछड़ों के साथ नगर निकाय के आरक्षण में घोर अनियमितता की गयी है। पूरे प्रदेश में 17 नगर निगमों में मात्र 2 सीट अनुसूचित जाति के लिए एवं पिछड़ा वर्ग के लिए मात्र 4 सीट आरक्षित की गयी है जो मिलने वाले आरक्षण से काफी कम है। इसी तरह नगर पालिका परिषद में अनुसूचित जाति को मात्र 24 सीट जो लगभग 12 प्रतिशत होता है, पिछड़ा वर्ग को 51 सीट जो लगभग 24 प्रतिशत होता है, इसी तरह नगर पंचायतों में अनुसूचित जाति के लिए मात्र 86 सीट जो लगभग 15 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग के लिए 145 सीट आरक्षित की गयी है। जो पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति के साथ अन्याय है। कांग्रेस पार्टी इसे भी जनता के बीच ले जायेगी और भाजपा सरकार की अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में की गई घोर अनियमितता और भाजपा की दलित, पिछड़ा वर्ग विरोधी चेहरे को उजागर करेगी।

जेलों में बने अस्पताल खुद बीमार, बीते चार साल में होने वाली मौतों का आंकड़ा बढ़ा

जेलों में बने अस्पतालों का बुरा हाल है। इससे बीते चार साल में बंदियों की मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो चिंता का सबब है। बीते वर्ष जेल में महिला बंदियों के साथ रहने वाले आठ बच्चों की मौत ने इस चिंता को और बढ़ा दिया है। इन अस्पतालों में पैरामेडिकल स्टाफ स्वीकृत पदों का सिर्फ 35 फीसदी ही है। यही नहीं सुरक्षा गार्ड नहीं मिलने से गंभीर रूप से बीमार बंदियों को इलाज के लिए बाहर के अस्पताल भेजने में भी मुश्किल होती है। हैरानी की बात यह है कि जेलों में पहले से पैरामेडिकल कर्मियों (नर्स, वार्ड ब्वाय, फिजियोथैरेपी आदि) के सृजित पद जरूरत से बेहद कम हैं। प्रत्येक कारागार में फार्मासिस्ट के तीन पद आवश्यक हैं, ताकि हर वक्त एक फार्मासिस्ट उपलब्ध रहे। पर, कई जेलों में एक भी फार्मासिस्ट नहीं है। पैरामेडिकल के कुल 267 पद हैं, इसमें 170 पद अर्से से खाली हैं। चिकित्सकों के कुल 153 पदों में से 36 रिक्त हैं। ऐसे में जब किसी गंभीर रूप से बीमार बंदी को बाहर के अस्पताल ले जाने की नौबत आती है

डॉ ए.वी.एम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल का पांचवी कक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत रहा

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूं सच
लुधियाना – ईसा नगरी पुली स्थित डॉ ए.वी.एम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की पांचवी कक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत आया है। स्कूल के डायरेक्टर राजीव कुमार लवली और स्कूल प्रिंसिपल मनीषा गाबा ने शानदार परिणाम के लिए सभी विद्यार्थियों और स्टाफ को बधाई दी। स्कूल प्रिंसिपल मनीषा गाबा ने बताया कि पांचवी कक्षा के परिणाम में 94 प्रतिशत अंक लेकर सोनाक्षी और अंशिका ने प्रथम स्थान प्राप्त करके स्कूल का नाम रोशन किया जबकि सक्षम और जानवी पाल 93 प्रतिशत अंक लेकर दूसरे व किरनजीत ,हर्ष कुमार 92 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान पर रहे। इसी तरह सोनाक्षी, देव चितारा, हेमंत कुमार, जिया राजवीर ध्रुव ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कुशप्रीत कौर, गायत्री, किरणदीप कौर, ऊर्वी शर्मा, आर्यन व समर कुमार ने क्रमशः 88 प्रतिशत अंक हासिल किए जबकि प्राची क्रिस्टीना, चेतना, गौरव, तरनजीत सिंह ने क्रमशः 87 प्रतिशत नंबर हासिल किए। तन्मय, अंकिता शर्मा, जिया, गरिमा, शिवानी व संचित राणा ने 86 प्रतिशत और शिक्षा, गहना, तारिका, हिमांशु, आयुष, ऋषभ और पीयूष ने 85 प्रतिशत अंक हासिल किए।

सुखविंदर बिंद्रा ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया से लुधियाना शहर के लोगों के अच्छी सेहत सेवाओं लिए एम्स अस्पताल खोलने की मांग की

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूं सच
लुधियाना – सीनियर भाजपा नेता सुखविंदर सिंह बिंद्रा पूर्व चेयरमैन युवा सेवाएं व खेल विभाग (पंजाब सरकार) ने मनसुख लक्ष्मणभाई मंडाविया, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री और रसायन और उर्वरक मंत्री, भारत सरकार के साथ दिल्ली में एक महत्वपूर्ण मुलाकात की। मनसुख लक्ष्मणभाई मंडाविया भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं।

वह भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और रसायन और उर्वरक मंत्री हैं। वह गुजरात से भारत के राज्यसभा सदस्य हैं। सुखविंदर सिंह बिंद्रा ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की देखरेख में देश भर में चकिस्ता सेवाओं के सफलतापूर्वक संचालन पर विस्तार चर्चा की। उन्होंने युवाओं की अच्छी सेहत व कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण बातें उनसे साझा कीं। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मांग की कि लुधियाना शहर के लाखों लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए नया एम्स अस्पताल बनाया जाए। सुखविंदर सिंह बिंद्रा ने कहा कि 2024 में भाजपा को पंजाब में लाने और लुधियाना शहर के निवासियों को अच्छी सेहत सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। नोजवानों की सभी समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

मच्छरों का प्रकोप तेज क्षेत्रवासियों ने दवा छिड़काव कराने की मांग

प्रेमचंद जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती -श्रावस्ती विकास क्षेत्र जमुनहा के इस समय गांवों में इन दिनों जहरीले बडे बडे मच्छर उड़ रहे हैं हर घर में किसी न किसी को बुखार हो रहा है। लोग डेंगू बुखार के डर से मच्छरदानी लगा सो रहे हैं। कहीं मच्छर न काट ले और डेंगू बुखार पकड़ ले। गांव में बारिश के गंदे पानी और जलभराव से मच्छरों की तादाद अधिक हो गई है। इस समय गांवों में अधिक से लोग बुखार से परेशान नजर मिले हुए हैं । सभी ग्राम पंचायतों में दवा छिड़काव कराने की बहुत ही आवश्यकता जैसे मल्हीपुर भेलाग्ंव पटना हरदत्त नगर गिरंट , बुधबाजार चौराहा , सिटकहना , रामपुरबस्ती , नेवादा जमादार , देवरनियां , के बरगदही , बभनपुरवा , चौबेडीह , पटपरगंज , देवरा , दोदीपुरवा , डांडेकुइया , महादेवा सलारपुर , बैजनाथपुर , महादेवा नासिरगंज सहित कई ग्राम पंचायतों में । क्षेत्रवासियों ने कीटनाशक दवा छिड़काव कराने की मांग श्रावस्ती जिलाधिकारी

सीसी रोड के निर्माण मे मानक विहीन तरीके से हो रहा निर्माण

अरविन्द कुमार यादव
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती -श्रावस्ती ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर कोठी में कारदायी संस्था द्वारा कराया जा रहा सीसी रोड का निर्माण जिसमें कम सीमेंट नदी रेत बालू डालकर बनाई जा रही रोड जिस पर गांव के ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य रक्षा राम यादव, भोला प्रसाद पासवान, कन्हैया लाल, नंदकुमार, पृथ्वीराज, बालक राम, यादव जगत राम यादव, ग्रामीणो ने संस्था के ठेकेदार से शिकायत किया तो कहने लगे कि 60,40 का काम होता है जो कर रहे हैं वह सही है आप लोग किसी भी अधिकारी से शिकायत कर सकते हैं इस संबंध में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी श्रावस्ती से सीसी रोड की जांच कराने की मांग किया है जबकि मानक विहीन सड़क निर्माण होने से कुछ ही दिनों में टूट कर गड्ढो में तब्दील हो जाएगी

सेंट्रा प्रीमियर लीग (सीपीएल) सीजन-5 की टीम ऑक्शन लिस्ट की हुई घोषणा

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूं सच
लुधियाना – सेंट्रा प्रीमियर लीग (सीपीएल) सीजन-5 के लिए रविवार को क्लब सेंट्रा में टीमों की नीलामी की गई जिस से न सिर्फ सेंट्रा ग्रीन्स बल्कि लुधियाना में भी हर कोई खासकर युवा उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। इस वर्ष टीमों को पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक राशि में नीलाम किया गया। पिछले वर्ष 2,00,000 रुपये में टीमों की नीलामी की गई थी जबकि इस वर्ष 5,76,000 रुपये में यह नीलामी मुकम्मल हुई। टीमों की नीलामी का विवरण (मालिक सहित) इस प्रकार है- एएसपीइएन वारियर्स (विकास और रोहित साही) 1,25,000 रूपए; मलबरी चैलेंजर्स (गौरव अग्रवाल और करण बंगिया) 1,00,000 रूपए; मेपल राइडर्स (गगन होरा और रमन अरोड़ा) 2,01,000 रूपए; हेज़ल किंग्स (आकाश बंसल) 70,000 रूपए; सेंट्रा सुपर गिआंट्स (अजय बेरी) 80,000 रूपए; सेंट्रा लायंस (मैनेजमेंट एंड स्टाफ) (राजीव भल्ला और अमित भल्ला) सुरक्षित। हालाँकि, यह सीपीएल का केवल 5वां सीज़न है, लेकिन यह क्रिकेट प्रेमियों के दर्शकों के बीच वास्तव में लोकप्रिय हो गया है। खिलाड़ियों के लिए सीपीएल की नीलामी 16 अप्रैल 2023 को की जाएगी। उन खिलाड़ियों की काफी डिमांड होगी जिन्होंने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि मालिक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को चुनने के लिए किस हद तक बोली लगाएंगे। प्रत्येक टीम का मालिक चाहता है कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी उनकी टीम का हिस्सा बनें। इस सीजन में पहली बार 6 टीमें खेलेंगी। सेंट्रा प्रीमियर लीग, पखोवाल रोड पर स्थित एक शानदार ग्रुप हाउसिंग कॉम्प्लेक्स सेंट्रा ग्रीन्स द्वारा आयोजित एक टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट है। सीपीएल मई महीने से शुरू होगा। शामिल होने वाली टीमें दर्शकों को शानदार खेल और नाटकीय पारी प्रदान करेंगी।

रोजा इफ्तार पार्टी में पहुंचे विधायक,देश में अमन-चैन की मांगी दुआ

क्यूँ न लिखूं सच
बरेली- रिठौरा। भोजीपुरा के विधायक शहजिल इस्लाम एवं पूर्व विधायक इस्लाम साबिर ने ने जल्ला लाडपुर में शाकिर हुसैन अंसारी की बैठक पर रोजा इफ्तार पार्टी में शिरकत की इस मौके पर श्री साबिर ने कहा शरीर की जकात है रोजा ? यह हमें आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है ।सभी मौजूद रोजेदारों ने देश में अमन शांति के लिए दुआ की। इस मौके पर निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष सपा तनवीर उल इस्लाम, खालिद खान, पूर्व प्रधान जमील अहमद ,गुल मोहम्मद, मोहम्मद आरिफ प्रधान, मोहम्मद यूनिस, जाहिद हुसैन अंसारी, जावेद अंसारी प्रधान मो यूनुस अंसारी, हामिद रजा,राजा खान , आदि लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने गो आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

लंकीन प्रसाद वर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती - श्रावस्ती जिलाधिकारी नेहा प्रकाश एवं मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने विकास खण्ड इकौना अन्तर्गत ग्राम पंचायत टंड़वा महन्थ में स्थित गो आश्रय स्थल का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने गोवंशों को गुड़-चारा भी खिलाया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चन्नी, भूसा, पानी, प्रकाश तथा जल निकासी आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से टीकाकरण व ईयर टैगिंग के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय से पशुओं का टीकाकरण होता रहे और समय से पशुओं का चिकित्सक द्वारा समय समय पर स्वास्थ्य जाँच भी कराना सुनिश्चित किया जाय, ताकि पशु बीमार न होने पाए। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि पशुओं के लिए हरे चारे की व्यवस्था भी की जाए तथा जो भी पशु पालन हेतु इच्छुक व्यक्ति है, उन्हें पात्रता के आधार पर पशु भी दिये जाये और उनका नाम, मोबाईल नम्बर, पता इत्यादि दर्ज कराने के साथ-साथ उनकी मानिटरिंग भी की जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि गोवंशों को गर्मी में लू से बचाव हेतु विशेष प्रयास किये जाएं। इसके अलावा निराश्रित गोवंशों को शत-प्रतिशत संरक्षित किया जाए तथा आश्रय स्थल में संरक्षित समस्त गोवंशों का नियमित निरीक्षण एवं पंजिका पर अंकन कराना सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी इकौना रोहित, जिला पंचायत राज अधिकारी आनन्द प्रकाश, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) डा0 राज कुमार त्रिपाठी, सहित केन्द प्रभारी एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

नाजायज चरस के साथ एक गिरफ्तार

प्रेमचंद जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रभावी नियंत्रण व कार्रवाई के संबंध में दिए गए
आदेश व निर्देश के क्रम मे थाना प्रभारी उमेश सिंह थाना हरदत्तनगर गिरन्ट जनपद श्रावस्ती के नेतृत्व में 01अभियुक्त पटवारी पुत्र शब्बीर खां निवासी परसोहनी दाश रामपुर बस्ती थाना हरदत्त नगर गिरन्ट जनपद श्रावस्ती को 300 ग्राम नाजायज चरस (कीमत लगभग 90,000) के साथ गिरफ्तार कर थाना हरदत्त नगर गिरंट में अभियोग पंजीकृत किया

BCCI's domestic season will start from June 28, Ranji Trophy will run for 70 days

The prestigious Ranji Trophy will start on January 5 next year. Last season, the Saurashtra team had success in the Ranji Trophy. He won the title by defeating Bengal in the final. The Board of Control for Cricket in India (BCCI) has announced the schedule for the upcoming domestic season. The 2023-24 domestic season will begin on 28 June with the Duleep Trophy tournament. At the same time, the prestigious Ranji Trophy will start on January 5 next year. Last season, the Saurashtra team had success in the Ranji Trophy. He won the title by defeating Bengal in the final. The Duleep Trophy will be played between six regional teams.

This was followed by the Deodhar Trophy List A tournament (July 24-August 3), the Irani Cup (October 1-5), the Syed Mushtaq Ali Trophy men's T20 National Championship (October 16-November 6) and the Vijay Hazare ODI Trophy (November 23-December 3). 15) will be organized. Full Schedule of Ranji Trophy - The Ranji Trophy will be the last tournament of the season in the senior men's section. The league stage matches of its elite group will be played from January 5 to February 19, while the knockout stage will be held from February 23 to March 14. This tournament will last for 70 days. The league matches of the plate group will be played from January 5 to February 5 while the knockout stage will be played from February 9 to 22. The Elite section will have eight teams each in four groups with the top two teams from each group qualifying for the quarter-finals. The top four teams out of six in the plate group will qualify for the semi-finals. Both the teams that reach the final of the Plate Group will join the Elite Group in the upcoming season (2024-25). The bottom two teams in the overall standings of 32 teams in the Elite Group will be relegated to the Plate Group. Senior women's season to begin on October 19 - The senior women's season will begin with the National T20 Championship to be played from October 19 to November 9, followed by the Inter-Zone T20 Trophy from November 24 to December 4. The Senior Women's One Day Trophy will be held from January 4 to 26. There will be five groups in the Senior Women's T20 Trophy and ODI Trophy. There will be eight teams each in two groups while the remaining three groups will have seven teams each. The top two teams in each group will qualify for the knockouts. After the group matches, the top six teams from these 10 teams will qualify for the quarter-finals while the last four teams will have to play pre-quarter-final matches for a place in the last eight.

Two days ago, Yash had told Rinku a big player, now he has hit five sixes, the comment went viral

Rinku and Yash are part of the Uttar Pradesh team in Ranji. Yash and Rinku had a conversation on Instagram chat two days back. Then Yash had called Rinku a big player and now Rinku hit five sixes on his own ball. Rinku Singh of Kolkata Knight Riders has created panic by hitting five sixes in the last five balls against Gujarat Titans. With KKR needing 28 off the last five balls to win, Rinku won hearts with his power hitting skills. However,

very few people would know that the bowler whom Rinku hit for five sixes is his good friend. Yes, we are talking about Yash Dayal. Interestingly, both are part of the Uttar Pradesh team in Ranji. Yash and Rinku had a conversation on Instagram two days ago. Then Yash called Rinku a big player and now Rinku hit five sixes off his own ball. Before playing the match-winning innings against Gujarat Titans, Rinku also played a key role in the victory against Royal Challengers Bangalore at Eden Gardens. Batting first against RCB, Kolkata lost five wickets for 89 runs. After this, Rinku shared a 103-run partnership with Shardul Thakur. Rinku scored 46 runs in 33 balls with the help of two fours and three sixes and helped Kolkata reach the big score. Bangalore won by 81 runs against RCB. Two days ago, after the match against RCB, Rinku posted on Instagram and shared the picture of the team. In its caption, Rinku wrote – Memorable victory! Special thanks to all our fans for coming in huge numbers and supporting us. Commenting on this, Yash Dayal wrote – Big player brother. Along with this, an emoji of heart and fire was also used. On this, Rinku wrote while replying- Yash Dayal Bhai. Along with this, an emoji of the heart was also used. Now in the eyes of Yash, the big player (Rinku) hit five sixes against him. Under this comment on Instagram, fans are also trolling Yash's comment. What happened in the match? Talking about the match, while batting first, Gujarat Titans scored 204 runs losing four wickets in 20 overs. Shubman Gill scored 39 runs in 31 balls, Wriddhiman Saha scored 17 runs in 17 balls, Sai Sudarshan scored 53 runs in 38 balls, Abhinav Manohar scored 14 runs in eight balls. Vijay Shankar remained unbeaten on 63 runs in 24 balls with the help of four fours and five sixes and David Miller scored two runs. Sunil Narine took the maximum three wickets. At the same time, Suyash Sharma got a wicket. In response, Kolkata achieved the target by losing seven wickets in 20 overs. Rahmanullah Gurbaz 15 runs, Narayan Jagdishan six runs, Andre Russell got out after scoring one run. At the same time, Sunil Narine Zero and Shardul Thakur could not even open the account. Gujarat's Rashid Khan took the first hat-trick of the season by dismissing Russell, Narine and Shardul in three consecutive balls. However, Venkatesh Iyer's blistering 40-ball 83 with eight fours and five sixes and skipper Nitish Rana's 29-ball 45 with four fours and three sixes made the match. Then Rinku Singh finished the match. For Gujarat, Rashid took three wickets and Alzarri Joseph took two wickets. At the same time, Mohammed Shami and Joshua Little got one wicket each.

KKR encouraged Yash Dayal, who ate five sixes, Rinku Singh also became a support in difficult times

Rinku Singh has emerged as the new superstar in IPL 2023. Rinku has made a name for himself in world cricket by hitting five sixes in five consecutive balls. However, these five sixes will not let the bowler Yash Dayal, who was the victim of the stormy batting of the KKR batsman, sleep for many nights now.Yash's name has been registered forever in the shameful record book of IPL. Whenever these five sixes of Rinku are mentioned, every time Yash will be blamed for Gujarat's defeat. The career of Yash, who plays for Uttar Pradesh in domestic cricket,

has got an infamous stain, which will Dayal has been encouraged while just a tough day, it happens to even the cricket. You are a champion Yash and team tweeted. Rinku also sent a who won Kolkata Knight Riders by fast bowler, also encouraged Yash. he messaged Yash after the match that and he had done well last year. Yash's name - Yash missed his four-wicket account could not even be costliest spell in IPL history. Basil record of bowling the costliest spell in overs in 2018.Rinku Singh has IPL 2023. Rinku has made a name for five sixes in five consecutive balls. let the bowler Yash Dayal, who was the KKR batsman, sleep for many nights registered forever in the shameful these five sixes of Rinku are mentioned, Gujarat's defeat. The career of Yash,

not be targeted for years. Yash tweeting. "Chin up buddy, it was biggest players in the game of you will make a comeback," the message to Yash- Rinku Singh, hitting five sixes against Gujarat's Talking to India Today, he told that this happens in the game of cricket Embarrassing record added to over spell I looted 69 runs and his opened. Yash bowled the second Thampi holds the embarrassing IPL, conceding 70 runs in four emerged as the new superstar in himself in world cricket by hitting However, these five sixes will not victim of the stormy batting of the now.Yash's name has been record book of IPL. Whenever every time Yash will be blamed for who plays for Uttar Pradesh in

domestic cricket, has got an infamous stain, which will not be targeted for years. Yash Dayal has been encouraged while tweeting. "Chin up buddy, it was just a tough day, it happens to even the biggest players in the game of cricket. You are a champion Yash and you will make a comeback," the team tweeted. Rinku also sent a message to Yash- Rinku Singh, who won Kolkata Knight Riders by hitting five sixes against Gujarat's fast bowler, also encouraged Yash. Talking to India Today, he told that he messaged Yash after the match that this happens in the game of cricket and he had done well last year. Embarrassing record added to Yash's name - Yash missed his four-over spell I looted 69 runs and his wicket account could not even be opened. Yash bowled the second costliest spell in IPL history. Basil Thampi holds the embarrassing record of bowling the costliest spell in IPL, conceding 70 runs in four overs in 2018.

Rhea Chakraborty ready to make a comeback from Roadies as a gang leader

After the death of Sushant Singh Rajput, Riya has faced trolls on social media for a long time. Now news is coming that Riya will soon be seen in the new season of 'MTV Roadies'. Recently, the makers released the promo of the show. Bollywood's well-known actress Riya Chakraborty has been in discussion about her personal life for a long time. After the death of Sushant Singh Rajput, Riya has faced trolls on social media for a long time. Now news is coming that Riya will soon be seen in the new season of 'MTV Roadies'. Recently, the makers released the promo of the show. Riya will be seen in 'MTV Roadies' - Significantly, the new season of 'MTV Roadies' is going to start soon. Now in this new promo, Sonu Sood has revealed that the upcoming season of the show is going to be more difficult than the previous season. If media reports are to be believed, Rhea will be seen as the new gang leader of the show. Please tell that 'MTV Roadies' show is most popular among youth. Now Riya's arrival is going to be very shocking for everyone. Sonu Sood will also be a part - Let us tell you that coming to this show is full of difficulties for every contestant. From group interview to personal interview round, the journey to become a roadie and win the title takes a long time. In the last season, Rannvijay was not a part of the show. In such a situation, the makers replaced Sonu Sood as the new gang leader. Not only this, the previous season was a competition between all the ex-contestants versus the new contestants. Will Riya be able to make her place among the

audience? Let us tell you that Sonu Sood is also returning to the show along with Riya in this new season. Apart from Riya, Gautam Gulati will also be seen as the gang leader in this new season. Fans are very excited to see Gautam. Now this show is going to be difficult for Riya more than the audience, because after the death of Sushant, the audience is not even liking to see her. In such a situation, the biggest question arises whether she is able to make her place in the hearts of the people or not.

Ayesha was engrossed in the industry with this film of Salman, then changed her religion and got married with the son of this leader

Actress Ayesha Takia is celebrating her birthday today i.e. on 10th April. Ayesha made her acting debut with the film 'Tarzan: The Wonder Car'. In this film, she was seen opposite actor Vatsal Seth. Apart from this, Ajay Devgan was also seen in 'Tarzan: The Wonder Car'. Apart from films, the actress has also appeared in many commercials. During her film career, Ayesha worked in many hit films. She did a strong acting in the 2006 film 'Dor'. She played the role of a widow in this film. She was highly appreciated for her character, but Ayesha got recognition from Salman Khan's film 'Wanted'. He made a lot of headlines for his strong acting in this film. Apart from 'Tarzan: The Wonder Car', 'Wanted', 'Dor', Ayesha also worked in Falguni Pathak's video song 'Meri Chunar Ud Ud Jaye'. Apart from Hindi films, Ayesha also worked in Telugu films, but one day this beauty of the industry suddenly said goodbye to the acting world. At the age of just 23, the actress married Farhan Azmi, son of leader Abu Azmi. Both were dating each other for a long time. To marry Farhan, Ayesha changed her religion and started using Azmi in front of her name. The couple are today parents to a son and are living a happy life. During an interview, Ayesha praised her husband and said that Farhan is a good and honest person. Talking about the look of the actress, there has been a lot of change in the look of Ayesha Takia. It has been claimed in media reports that the actress has undergone surgery for lips, jaw line, eyebrows and forehead. His look was not liked by the fans, due to which he had to become a victim of trolling.

Fahad Ahmed was badly trapped by calling Swara Bhaskar 'brother', trolls said - this is very absurd

Fahad Ahmed shared a special post on the occasion of Swara Bhaskar's birthday. However, in this he addressed his wife by writing 'brother', after which he is being trolled a lot. Bollywood actress Swara Bhaskar surprised everyone by suddenly announcing her marriage. At the same time, even after marriage, Diva is becoming a part of the headlines regarding her personal life. It may be noted that Swara celebrated her 35th birthday on the previous day. On this special day, the actress's politician husband Fahad Ahmed shared a special post, in which Fahad was seen expressing his feelings for Swara. However, trolls have found something in this post as well, due to which Fahad is being trolled fiercely. Fahad Ahmed became a victim of trolls- Swara Bhaskar's husband and politician Fahad Ahmed shared a post wishing his lady love on the previous day. While sharing a romantic picture with his wife on Twitter, Fahad wrote something in the caption, due to which he is being trolled a lot. Fahad wrote, 'Many many happy returns of the day brother, listening to your suggestion on my birthday I am married, I hope you will know from twitter.' Fahad is badly trapped by calling wife Swara as 'brother'- Thanking Swara Bhaskar for becoming a partner, Fahad wrote, 'Thank you for completing me in every aspect, I am blessed to have a friend and mentor like you. 'I love you' my heart PS 'Bhai' is gender neutral. After seeing this tweet of Fahad, the trolls have become active again and are attacking him fiercely. This is how trolls put the couple's class - Responding to Fahad's post, a user wrote, 'Brother and sister have now become gender neutral. Now anyone can say anything to anyone. According to Ahmed Miyan, this is the new norm now. Another has written, 'What does brother mean, it is absurd to call your wife a brother in any sense.' At the same time, another writes, 'Two brothers got married, wow what a thing.' Similarly, the rest of the users are also seen criticizing the couple while reacting.